



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

6 वैशाख 1939 (श0)

(सं0 पटना 331) पटना, बुधवार, 26 अप्रील 2017

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद
विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचना

11 नवम्बर 2016

सं0 2215—पटना जिलान्तर्गत पटना सिटी के मैदाटोली मोहल्ला में अवस्थित श्री राधाकृष्ण मंदिर पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसका निबंधन सं0- 4418 है।

इस न्यास के संबंध में स्थानीय जनता का एक आवेदन पर्षद कार्यालय को प्राप्त हुआ, जिसमें न्यास की भूमि को असामाजिक तत्वों द्वारा बिक्री करने की योजना की चर्चा की गयी एवं मंदिर की व्यवस्था हेतु आम सभा द्वारा स्थानीय लोगों की एक समिति गठन करने का प्रस्ताव पारित किया गया तथा इसके अनुमोदन का अनुरोध किया गया। पर्षदीय पत्रांक-2283, दिनांक 26/03/14 द्वारा थाना प्रभारी, खाजेकलां को आवेदन का सत्यापन एवं मंतव्य देने का अनुरोध किया गया। पर्षदीय पत्रांक-757, दिनांक 09/06/15 द्वारा अंचलाधिकारी, पटना सदर से न्यास के निबंधन हेतु जांच कर एक प्रतिवेदन की मांग की गयी, परंतु प्रतिवेदन अप्राप्त रहा। इसी बीच श्री सरोज कुमार गुप्ता द्वारा निबंधन हेतु पुनः आवेदन दिनांक 07/09/15 दिया गया। इसके आलोक में दिनांक 08/02/16 को मंदिर का निबंधन पर्षद में किया गया। खाजेकलां थाना प्रभारी द्वारा डी0आर0-464/15, दिनांक 23/02/15 द्वारा चरित्र-सत्यापन कर “किसी सदस्य का कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं मिला” की टिप्पणी के साथ प्रतिवेदन प्रेषित किया गया।

दिनांक 01/09/16 को स्थानीय जनता का आवेदन पुनः प्राप्त हुआ, जिसमें न्यास समिति का गठन हेतु अनुरोध किया गया। इसके साथ-साथ स्थानीय भू-माफिया द्वारा उक्त न्यास की जमीन का बै-बयाना निष्पादित करने का प्रयास किये जाने की सूचना प्राप्त हुई। इसके आलोक में जिलाधिकारी, पटना, निबंधन पदाधिकारी, पटना, अवर निबंधन पदाधिकारी, पटना सिटी एवं अनुमंडल पदाधिकारी, पटना को उक्त न्यास की भूमि के निबंधन पर तत्काल रोक लगाने हेतु पर्षदीय पत्रांक-2104, दिनांक 22/10/16 द्वारा पत्र दिया गया।

उपरोक्त परिस्थिति में **श्री राधाकृष्ण मंदिर**, मैदाटोली, मच्छरहट्टा, पटना सिटी, जिला- पटना के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सम्यक विकास के लिए एक न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा- 32 में धार्मिक न्यास पर्षद को प्रदत्त अधिकार, जो धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा- 81 (1) (ख) एवं 8 (क) के तहत प्रशासक को प्राप्त है, का प्रयोग करते हुए “**श्री राधाकृष्ण मंदिर**, मैदाटोली, मच्छरहट्टा, पटना सिटी, जिला- पटना” के सुचारु प्रबंधन, सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा

सम्यक विकास के लिए नीचे लिखे योजना का निरूपण तथा इसे मूर्त रूप देने के लिए एक न्यास समिति गठित की जाती है।

योजना

1. अधिनियम की धारा- 32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम “श्री राधाकृष्ण मंदिर न्यास योजना, मैदाटोली, मच्छरहट्टा, पटना सिटी, जिला- पटना” होगा तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम “श्री राधाकृष्ण मंदिर न्यास समिति, मैदाटोली, मच्छरहट्टा, पटना सिटी, जिला- पटना” होगा, जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल संपत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।

2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की संपत्ति की सुरक्षा, संरक्षण एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ, भक्तजन एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।

3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम से किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।

4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगा। न्यास समिति इस आदेश के साथ संलग्न मार्गदर्शिका/प्रपत्र का अनुपालन सुनिश्चित करेगी।

5. न्यास समिति पर्वद अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्यवृत्त आदि सम्यक रूप से पर्वद को प्रेषित करेगी।

6. अध्यक्ष की अनुमति से उपाध्यक्ष न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और अध्यक्ष की अनुपस्थिति में सचिव द्वारा बैठक आहूत की जायेगी। बैठकों की सूचना सभी सदस्यों को पहले दी जायेगी। बैठक की कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी।

7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद के अनुमोदन के लिए भेजेगी।

8. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि “यदि कोई हो तो”, उसकी वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।

9. इस योजना में परिवर्तन, परिवर्द्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।

10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाये जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो, उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्त रूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों को न्यास समिति गठित की जाती है:-

(1)	श्री राम एकबाल यादव पिता- श्री रामविलास यादव, मैदाटोली, खाजेकलां	-	अध्यक्ष
(2)	श्री सरोज कुमार गुप्ता पिता- पे0 स्व0 मोतीलाल गुप्ता, मच्छरहट्टा, खाजेकलां-	-	सचिव
(3)	श्री विजय पोद्दार पे0 श्री राजेन्द्र पोद्दार, मैदाटोली, खाजेकलां (कबारी दुकान)	-	कोषाध्यक्ष
(4)	श्री प्रमोद कुमार पिता- स्व0 रामप्रसाद महतो, मच्छरहट्टा गली, खाजेकलां	-	सदस्य
(5)	श्री लखन यादव पे0- श्री राम विलास यादव, मैदाटोली, खाजेकलां	-	“
(6)	श्री भोला राउत पे0 स्व0 गेन्दा राम, महाराज की ड्योढ़ी, मच्छरहट्टा, खाजेकलां-	-	“
(7)	श्री मुकेश भारद्वाज पिता- भूदेव मिश्र, मैदाटोली, खाजेकलां	-	“
(8)	श्री मोहन यादव पे0- स्व0 गोपाल प्रसाद, मैदा टोली, खाजेकलां	-	“
(9)	श्री सिद्धेश्वर प्रसाद पे0- स्व0 चन्द्रिका प्रसाद, मच्छरहट्टा गली, खाजेकलां	-	“
(10)	श्री उमेश पटेल पे0- स्व0 भरत पटेल, मच्छरहट्टा गली, खाजेकलां	-	“
(11)	श्री राजेश कुमार प्रसाद पे0- श्री सच्चिदानंद प्रसाद	-	“
	काले हनुमान मंदिर के निकट, मच्छरहट्टा, खाजेकलां	-	“

12. इस न्यास समिति का कार्यकाल अधिसूचना निर्गत होने की तिथि से 05 वर्षों का होगा। एक वर्ष के बाद न्यास समिति के कार्यों की समीक्षा की जायेगी और कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर उनकी निरन्तरता कायम रहेगी।

विश्वासभाजन,
संजय कुमार,
प्रशासक।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 331-571+10-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>